भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2186 जिसका उत्तर
शुक्रवार, 12 दिसंबर, 2025/21 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाना है

नारायणी रिवरफ्रंट

† 2186. डॉ. आलोक कुमार सुमन :

क्या पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार की केंद्रीय जलमार्ग योजनाओं के अंतर्गत बिहार के गोपालगंज जिले में नारायणी रिवरफ्रंट का विकास किया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या राष्ट्रीय जलमार्गों से जोड़ने के लिए नारायणी रिवरफ्रंट का विकास कार्य लंबे समय से रुका हुआ है;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या उक्त विकास कार्यों के लिए स्वीकृत और व्यय की गई कुल राशि में विसंगतियां हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार व्यापारिक उद्देश्यों के लिए जहाजों की सहायता से नारायणी रिवरफ्रंट विकसित करने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत बिहार के गोपालगंज जिले में नारायणी नदी पर 8.25 करोड़ रु. की लागत से दो घाटों का निर्माण जुलाई, 2021 पूरा में किया गया और उनमें संबंधित शहरी स्थानीय निकायों को सौंप दिया गया। वर्तमान में, मत्स्यन, स्थानीय वस्तुओं और कृषि उत्पादों को लाने- ले जाने हेतु देशी नौकाएं चल रही है।

(ख) से (घ): जी नहीं। नारायणी रिवर फ्रंट गंडक नदी के तट पर स्थित है जिसे 2016 में त्रिवेणी घाट के पास भैसालोतल बैराज से लेकर हाजीपुर में गंडक और गंगा नदी के संगम तक राष्ट्रीय जलमार्ग- 37 घोषित किया गया था।

(ङ): अंतर्देशीय जलमार्ग परिवहन को सुगम बनाने के लिए 3 करोड रु. की लागत से मंगलपुर (नौतन) के पास रा.ज.- 37 (गंडक नदी) और बेतिया में इसके विपरीत तट पर 02 जेट्टियां पहले ही स्थापित की जा चुकी है।

वित्त वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 में क्रमश: 5.32 करोड़ रु., 7.59 करोड़ रु. और 8.49 करोड़ रु. की लागत से रा.ज.- 37 (गंडक नदी) पर जलीय सर्वेक्षक सहित फेयरवे विकास कार्य किया गया था। इसके अतिरिक्त, रा.ज.- 37 (गंडक नदी) की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को अद्यतन करने का कार्य मैसर्स रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विस लिमिटेड को सौंपा गया है।

*****